आंतिका तबाक्काया

आंतिका तबाक्काया, पुराना समय याद दिला देने वाला एक एसा रिज़ॉर्ट जिसकी उत्पत्ति बोहत पुरानी है |

इसका नाम ओर उत्पत्ति एक अनोखे तरह के तंबाक्को की वजह से है उस तंबाक्को का नाम केंटुक्की है|

यह तंबाक्को नॉर्थ अमेरिका में सेलेक्ट ओर फ्लू क्यूर्ड किया जाता था|

फाइयर कुरेड की क्लास से संबंध रखने वाला यह तंबाक्को देखने में काले रंग का नज़र आता है| इसको बनाने के लिए एक स्पेशल तरह की लकड़ी का इस्तेमाल होता है, जिसे डाइरेक्ट्ली जलाया जाता था और उसका धूआ धीरे धीरे तंबाक्को के पत्तो के कक्षों में परवेश करता था|इसी लिए इसका रंग काला हो जाता था|

तंबाक्को के पत्तो को त्यआर करने की ज़िम्मेवारी इस काम को अछी तरह जानने वाली औरतो को सोम्प दिया जाता था जो एक सुई और धागे से "चिमरॉल" (सब्से मूल्यवान तंबाक्को के पत्ते) के पत्तो की कतारें बनाती जाती थी और उन क़तारों का भार 30 किलो तक का हो जाता था|

उन पत्तो को फिर कई दीनो तक एक पेड़ की शाखाओं पर टांग दिया जाता था|

आंतिका तबाक्काया के अंदर (टेराकोट्टा सूयीट मे) आप क्यी तरह की ओवन देख सकते है जो उस समय में तंबाक्को के पत्तो को सुखाने के काम आया करती थी| यह ओवन कोई माहिर वयक्ति ही चला सकता था कियूकी ईंधन के लिए ओक की लकड़ी को जलाया जाता था पर उस से आग नही सिर्फ़ धूआ निकलना चाहिए था ताकि वो धूआ जो पत्तो को सुखाने के काम आ पाता |

इस जगह का फर्श आज भी टिपिकल फ्लोरेंटिन कॉटट (एंट) में है जो उस समय में गर्माहट को रोकने के काम आती थी ताकि ओवन के बंद होने के बाद भी गर्माहट धीरे धीरे निकालती रहे |